



# Alock Lal

---

10 Jan 2026

10:50 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120977702

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 10/01/2026  
दिन \_\_\_\_\_: शनिवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 10:50:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 08:56:14 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Delhi  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:39:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:13:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:21:08 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 10:28:52 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:07:26 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 17:47:52 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 07:15:30 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:42:03 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:26:33 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 25:44:34 धनु  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 01:27:03 मीन

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: हस्त - 4  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: चन्द्र  
योग \_\_\_\_\_: अतिगण्ड  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: महिष  
नाड़ी \_\_\_\_\_: आद्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: श्वान  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: ठ-ठकुर  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: ताम्र - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मकर

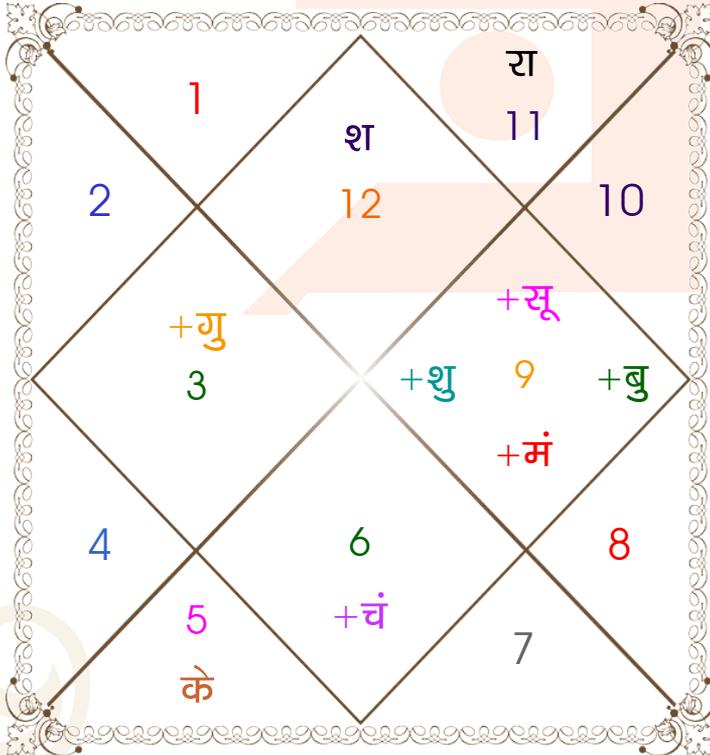
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	01:27:03	514:50:03	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	25:44:34	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	20:52:48	12:13:12	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	अ		धनु	25:33:40	00:46:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध	अ		धनु	18:45:24	01:35:01	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:54:16	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र	अ		धनु	26:35:12	01:15:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			मीन	02:32:47	00:04:19	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:16	00:00:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:16	00:00:39	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:30:12	00:01:15	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:20	00:01:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:46:49	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	02:59:47	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

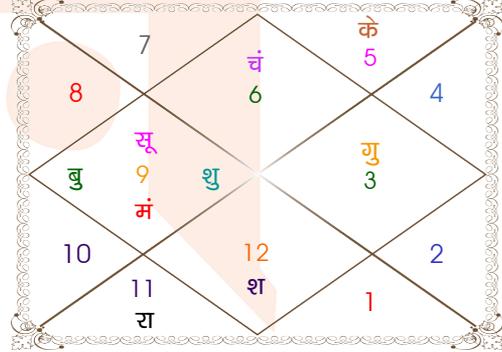
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

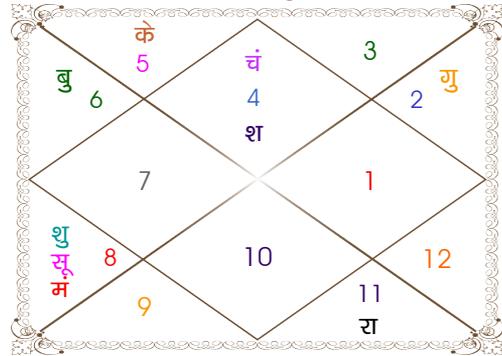
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

### भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 10 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
10/01/2026	13/11/2027	13/11/2034	12/11/2052	12/11/2068
13/11/2027	13/11/2034	12/11/2052	12/11/2068	13/11/2087
00/00/0000	मंगल 10/04/2028	राहु 26/07/2037	गुरु 31/12/2054	शनि 16/11/2071
00/00/0000	राहु 29/04/2029	गुरु 20/12/2039	शनि 14/07/2057	बुध 26/07/2074
00/00/0000	गुरु 05/04/2030	शनि 26/10/2042	बुध 20/10/2059	केतु 04/09/2075
00/00/0000	शनि 14/05/2031	बुध 14/05/2045	केतु 25/09/2060	शुक्र 04/11/2078
00/00/0000	बुध 11/05/2032	केतु 01/06/2046	शुक्र 27/05/2063	सूर्य 17/10/2079
00/00/0000	केतु 07/10/2032	शुक्र 01/06/2049	सूर्य 14/03/2064	चंद्र 17/05/2081
10/01/2026	शुक्र 07/12/2033	सूर्य 26/04/2050	चंद्र 14/07/2065	मंगल 26/06/2082
शुक्र 14/05/2027	सूर्य 14/04/2034	चंद्र 26/10/2051	मंगल 20/06/2066	राहु 02/05/2085
सूर्य 13/11/2027	चंद्र 13/11/2034	मंगल 12/11/2052	राहु 12/11/2068	गुरु 13/11/2087

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
13/11/2087	13/11/2104	14/11/2111	14/11/2131	14/11/2137
13/11/2104	14/11/2111	14/11/2131	14/11/2137	00/00/0000
बुध 11/04/2090	केतु 11/04/2105	शुक्र 16/03/2115	सूर्य 03/03/2132	चंद्र 14/09/2138
केतु 08/04/2091	शुक्र 12/06/2106	सूर्य 15/03/2116	चंद्र 01/09/2132	मंगल 15/04/2139
शुक्र 06/02/2094	सूर्य 17/10/2106	चंद्र 14/11/2117	मंगल 07/01/2133	राहु 14/10/2140
सूर्य 13/12/2094	चंद्र 18/05/2107	मंगल 14/01/2119	राहु 02/12/2133	गुरु 13/02/2142
चंद्र 14/05/2096	मंगल 15/10/2107	राहु 13/01/2122	गुरु 20/09/2134	शनि 14/09/2143
मंगल 11/05/2097	राहु 01/11/2108	गुरु 13/09/2124	शनि 02/09/2135	बुध 13/02/2145
राहु 28/11/2099	गुरु 08/10/2109	शनि 14/11/2127	बुध 08/07/2136	केतु 14/09/2145
गुरु 06/03/2102	शनि 17/11/2110	बुध 14/09/2130	केतु 13/11/2136	शुक्र 11/01/2146
शनि 13/11/2104	बुध 14/11/2111	केतु 14/11/2131	शुक्र 14/11/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 10 मा 9 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरुचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरुचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए हैं। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृत्ति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृत्ति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते हैं। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते हैं। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।